You downloaded this paper from cbse.biz

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2
कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'अ')

समय: 3 घंटे | पूर्णांक - 100

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	20
1.	**नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानूपर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**	
i)	स्वस्थ मन का निवास स्वस्थ शरीर में होता है। शरीर अस्वस्थ होने पर हम बौद्धिक कार्य भी नहीं कर पाते हैं। सामने सुस्वादु व्यंजन देखकर कौन उनका सेवन नहीं करना चाहता है? घर में समस्त सुविधाएँ होने पर जिन्हें अति परहेज़ का भोजन करना पड़ता है, वे ही जानते हैं कि सकल पदारथ हैं जग माहीं। कर्महीन नर पावत नाहीं।। श्रमहीन शरीर की दशा जंग लगी हुई चाबी की तरह अथवा अन्य किसी उपयोगी वस्तु की तरह निष्क्रिय हो जाती है। शारीरिक श्रम वस्तुत: जीवन का आधार है, जीवंतता की पहचान है। योगाभ्यास में तो पहली शिक्षा होती है आसन आदि के रूप में शरीर को श्रमशीलता का अभ्यस्त बनाना।	
ii)	महात्मा गांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वह प्रत्येक आश्रम वासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है - बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुत: चोर है। महात्मा गांधी का समस्त जीवन दर्शन श्रम सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात रही है। दक्षिण कोरिया वासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिनसे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है।	
iii)	श्रम की अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलन्त उदाहरण है, हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी। हमारा शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक कार्य करने से परहेज करता है वह यह नहीं सोचता है कि शारीरिक श्रम परिमाणत: कितना सुखदायी होता है। पसीने से सिंचित वृक्ष में लगने वाला फल कितना, मधुर होता है। 'दिन अस्त और मज़दूर मस्त' इसका भेद जानने वाले महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को यह परामर्श दिया था कि तुम केवल पसीने की कमाई खाओगे। पसीना	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	टपकाने के बाद मन को संतोष और तन को सुख मिलता है, भूख भी लगती है और चैन की नींद भी आती है।	
iv)	हमारे समाज में शारीरिक श्रम न करना सामान्यत: उच्च सामाजिक स्तर की पहचान माना जाता है। यही कारण है कि ज्यों-ज्यों आर्थिक स्थिति में सुधार होता जाता है, त्यों-त्यों बीमारों व बीमारियों की संख्या में वृद्धि होती जाती है। इतना ही नहीं, बीमारियों की नई-नई किस्में भी सामने आती जाती हैं। जिस समाज में शारीरिक श्रम के प्रति हेय दृष्टि नहीं होती है, वह समाज अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ एवं सुखी दिखाई देता है। विकसित देशों के निवासी शारीरिक श्रम को जीवन का आवश्यक अंग समझते हैं। ऐसे उदाहरण भारत में ही मिल सकते हैं शत्रु दरवाजा तोड़ रहे हैं और नवाब साहब इंतज़ार कर रहे हैं जूते पहनाने वाली बाँदी का।	
	श्रमशील व्यक्ति स्वावलम्बी एवं स्वाभिमानी होता है। वह पूरे आत्मविश्वास के साथ कह सकता है –	
	कारि बहियाँ बल आपनी छाँड़ि बिरानी आस। जाके आँगन है नदी, सो कत मरत प्यास।	
	श्रमशीलता सहज उपलब्ध नदी के जल के समान है।	
	प्रश्न –	
i)	'स्वस्थ मन का निवास स्वथ शरीर में होता है' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें।	1
ii)	जीवन का आधार क्या है और क्यों?	1
iii)	गांधी जी की नीतियों की उपेक्षा का परिणाम हम किस रूप में भोग रहे है?	1
iv)	श्रमशील समाज के व्यक्ति कैसा जीवन जीते हैं?	1
v)	श्रम का क्या महत्त्व है?श्रम के कोई दो लाभ लिखिए।	2
vi)	शिक्षित वर्ग की बेकारी का क्या कारण है?	1
vii)	'दिन अस्त और मजदूर मस्त' – अर्थ स्पष्ट कीजिए।	1
viii)	निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए – i) जीवंतता ii) विकसित	1
ix)	चौथे अनुच्छेद में से 'इक' प्रत्यय वाले दो शब्द छाँटकर लिखिए।	1
x)	श्रमशील व्यक्ति में कौन-कौन से गुण स्वयं आ जाते हैं?	1
xi)	गद्यांश को उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
2.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**	
	सागर के उर पर नाच-नाच करती हैं लहरें मधुरगान जगती के मन को खींच-खींच निज छवि के रस से सींच-सींच जल कन्याएँ भोली अजान,	
	सागर के उर पर नाच-नाच करती हैं लहरें मधुरगान प्रातः समीर से हो अधीर, छूकर पल-पल उल्लसित तीर, कुसुमावलि-सी पुलकित महान,	
	सागर के उर पर नाच-नाच, करती, हैं लहरें मधुरगान संध्या-से पाकर रूचि रंग करती-सी शत सुर-चाप भंग हिलती नव तरु-दल के समान,	
	सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुरगान करतल-गत कर नभ की विभूति, पाकर शशि से सुषमानुभूति तारावलि-सी मृदु दीप्तिमान,	
	सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुरगान तन पर शोभित नीला दुकूल हैं छिपे हृदय में भाव फूल आकर्षित करती हुई ध्यान,	
	सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुरगान हैं कभी मुदित, हैं कभी खिन्न, हैं कभी मिली, हैं कभी भिन्न, हैं एक सूत्र में बंधे प्राण सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुरगान	
(i)	इस कविता में लहरों को किस-किस रूप में चित्रित किया गया है?किन्हीं दो रूपों का उल्लेख कीजिए।	1
(ii)	'करती-सी शत सुरचाप भंग'- पंक्ति का आशय स्पष्ट करो।	1
(iii)	सागर-लहरें किस प्रकार लोगों के मन को अपनी ओर खींचती हैं?	1
(iv)	प्रात:काल में लहरों का सौंदर्य कैसा होता है?	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(v)	कवि ने किन पंक्तियों में लहरों को युवती के रूप में चित्रित किया है उन्हें छाँटकर लिखिए।	1
(vi)	आपको लहरों का कौन सा रूप सबसे सुंदर लगा। उसे अपने शब्दों में लिखिए।	1
(vii)	हैं एक सूत्र में बँधे प्राण' - इस पंक्ति से कवि ने क्या संदेश दिया है?	2
	अथवा	
	रद्दी अखबारों की ढेरी-सा टूटे फूटे शीशे व टीन-सा युग की उपलब्धियों का - माल बिक सकता? कोई फेरी वाला गुहार लगाता आए, यह सब ले जाए, सारा-का-सारा कबाड़ उठ जाए, तो सजावट सुथरी होकर निखरे हर चीज़ सही तरतीब में लगे और सुथरे। युग की उपलब्धियों की इस ढेरी में टूटे-फूटे कनस्तर और डिब्बों जैसे- मुर्झाए हुए विश्वास, मैले-कुचैले जीर्ण-शीर्ण चिथड़ों सा- विकृत स्वाभिमान, टूटी फूटी बोतल-से टूटे हुए सपने, टूटे हुए बरतन सरीखे ये अर्ध सत्य - ये ही सब लगा हुआ रद्दी का अंबार, बेहद कूड़ा-कबाड़ निश्चय इस रद्दी का - खरीददार आएगा, माल इस बोरी में - भरकर ले जाएगा, डालेगा जाकर उस बड़े कारखाने में - जहाँ यह नया रूप, नए रंग लेकर ही निकलेगा। - (रमा सिंह)	
(i)	विश्वास और सत्य जैसे जीवन-मूल्यों की तुलना कवयित्री ने किन-किन वस्तुओं से की हैं?	1

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
(ii)	उपलब्धियों के लिए कवयित्री ने किन दो उपमानों का प्रयोग किया है?	1
(iii)	कविता में युग की उपलब्धि और बड़ा कारखाना से क्या अभिप्राय है?	1
(iv)	कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।	2
(v)	''डालेगा जाकर उस............लेकर ही निकलेगा'' - इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।	2
(vi)	इस कविता को उचित शीर्षक दीजिए।	1
	खण्ड 'ख'	**15**
3.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें -**	10
क)	**वन और पर्यावरण** संकेत बिंदु : भूमिका : वन : प्रकृति की अनुपम देन, प्रकृति और मानव का अटूट संबंध, पर्यावरण संबंधी समस्याएँ और उपसंहार	
ख)	**कंप्यूटर : आज की आवश्यकता** संकेत बिंदु : प्रस्तावना, विश्व की तीसरी आँख कंप्यूटर की उत्पत्ति, संरचना, कंप्यूटर के लाभ एवं हानियाँ, उपसंहार	
ग)	**खेल और हमारा स्वास्थ्य** प्रस्तावना, खेलों का महत्त्व, जीवन-कौशल की शिक्षा, विश्वस्तरीय खेलों का आयोजन और महत्त्व, उपसंहार	
4.	**आपका टेलीफोन लगभग दस दिन से खराब है आपने महानगर टेलीफोन निगम की दोष सुधार सेवा विभाग में कई बार शिकायत दर्ज की किंतु परिणाम ज्यों का त्यों है। इसकी शिकायत करते हुए महानगर टेलीफोन निगम के प्रबंधक को एक पत्र लिखिए।** अथवा **आपने अपने विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह का आयोजन करवाया और आपकी इसमें सक्रिय भागीदारी रही। इस समारोह का अनुभव बताते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखें।**	5
	खण्ड 'ग'	**15**
5.	(i) **निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया-पद छाँटकर उनके भेद लिखिए -** (क) लक्ष्य पुस्तक पढ़ता है।	2

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(ख) विभा गा रही है।	
	(i) निम्नलिखित अव्ययों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए -	2
	के सामने, या अथवा और	
6.	**(ii) रेखांकित पदों का परिचय दीजिए-**	2
	(क) <u>दिल्ली</u> भारत की राजधानी हैं।	
	(ख) <u>वह</u> पत्र लिखता है।	
	अथवा	
	(ग) राम पुस्तक <u>पढ़ेगा</u>।	
7.	**(iv) निर्देशानुसार वाक्य बदलिए -**	3
	(क) तुम बस रुकने के स्थान पर चले जाओ। (मिश्रवाक्य में)	
	(ख) बच्चे ने खाना खाया और सो गया। (सरल वाक्य में।)	
	(ग) मैंने पाठ पढ़ा था। (रचना के आधार पर वाक्य भेद)	
8.	**(v) निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए -**	3
	(क) बच्चा नहीं पढ़ता। (भाव वाच्य में)	
	(ख) अमर पुरस्कार प्राप्त करता है। (कर्मवाच्य में)	
	(ग) छात्रों से कक्षा में पढ़ा जाता है। (कर्तृवाच्य)	
9.	**(vi) निम्नांकित पंक्तियों को ध्यान से पढ़कर अलंकारों के नाम लिखिए -**	3
	(क) आए महंत वसंत।	
	(ख) घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!	
	(ग) भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण-छाया मन छूना।	
	खण्ड 'घ'	**50**
10.	**निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**	
(क)	बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।। पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।। इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।। देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।	3

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।। सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।। बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहूँ पा परिअ तुम्हारें।। कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा।। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।	
(i)	लक्ष्मण ने कोमल स्वर में परशुराम पर क्या-क्या कहकर व्यंग्य किया है?	
(ii)	किस कारण से लक्ष्मण क्रोध को रोककर परशुराम के वचनों को सहन कर रहे हैं?	
(iii)	लक्ष्मण के कुल में किन-किन पर वीरता नहीं दिखाई जाती और क्यों?	
(ख)	तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य! चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य! इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क देखते तुम इधर कनखी मार और होतीं जब कि आँखें चार तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान मुझे लगती बड़ी ही छविमान!	3
(i)	दंतुरित मुसकान से क्या तात्पर्य है?	
(ii)	कवि ने अपने को प्रवासी, इतर और अतिथि क्यों कहा है?	
(iii)	कवि को बच्चे की मुसकान सबसे सुंदर कब लगती है?	
11.	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** (3+3+3)	9
(क)	क्या सूरदास के समान उद्धव को भाग्यशाली मानते हैं या नहीं?अपनी कल्पना शक्ति के आधार पर सही तर्क देकर स्पष्ट करें?	
(ख)	'अट नहीं रही' कविता के आधार पर फागुन के सौंदर्य का चित्रण कीजिए जिसके आधार पर उसे अन्य ऋतुओं से भिन्न समझा जाता है।	
(ग)	आप अपने जीवन में मुख्य कलाकार की भूमिका निभाना पसंद करेंगे या संगतकार (सह कलाकार) की? तर्क सहित उत्तर दीजिए।	
(घ)	कवि गिरिजाकुमार माथुर ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?	
12.	**निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**	5
(क)	पाँयनि नूपुर मंजु बजै कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई। साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	माथु किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई। जै जग-मंदिर-दीपक सुंदर, श्रीबजदूलह 'देव' सहाई।।	
(i)	कवि का नाम लिखिए तथा बताइए कि कवि किस काल के हैं?	
(ii)	प्रस्तुत पंक्तियों में किसका वर्णन है?	
(iii)	काव्यांश की भाषा का नाम बताइए।	
(iv)	काव्य-पंक्तियाँ किस छंद में रची गई।	
(v)	उन पंक्तियों को छाँटकर लिखिए जिनमें अनुप्रास और रूपक अलंकार का प्रयोग हुआ है।	
(ख)	विकल विकल, उन्मन थे उन्मन विश्व के निदाघ के सकल जन आए अज्ञात दिशा में अनंत के घन तप्त धरा, जल से फिर शीतल कर दो - बादल, गरजो।	
(i)	प्रस्तुत पंक्तियों में कवि किसे संबोधित कर रहे हैं?	
(ii)	यह गीत किस प्रकार का है?	
(iii)	ध्वनिवाचक शब्दों के प्रयोग से किस प्रकार का सौंदर्य उत्पन्न हुआ है?	
(iv)	काव्यांश किस भाषा में रचा गया है?	
(v)	भाषा की विशेषता बताइए।	
13.	**निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**	6
(क)	उनकी चिंता हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ़ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुँझलाते देखा है और हिंदी वालों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा पर दुख करते उन्हें पाया है। घर-परिवार के बारे में, निजी दुख-तकलीफ के बारे में पूछना उनका स्वभाव था और बड़े से बड़े दुख में उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक ऐसी रोशनी से भर देता था जो किसी गहरी तपस्या से जनमती है। 'हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह।' मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है और फादर के शब्दों से झरी विरल शांति भी।	
(i)	फादर को सबसे अधिक दुख किस बात पर होता था?	
(ii)	अवतरण के आधार पर फादर के चरित्र की दो विशेषताएँ बताइए।	
(iii)	फादर के मुख से निकले शब्द जादू का काम कैसे करते?उदाहरण देकर स्पष्ट करें।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
(ख)	इस दिन खाँ साहब खड़े होकर शहनाई बजाते हैं व दालमंडी में फातमान के करीब आठ किलोमीटर की दूरी तक पैदल रोते हुए, नौहा बजाते जाते हैं। इस दिन कोई राग नहीं बजता। राग-रागिनियों की अदायगी का निषेध है इस दिन। उनकी आँखें इमाम हुसैन और उनके परिवार के लोगों की शहादत में नम रहती हैं। अज़ादरी होती है। हजारों आँखें नम। हज़ार बरस की परंपरा पुनर्जीवित। मुहर्रम संपन्न होता है। एक बड़े कलाकार का सहज मानवीय रूप ऐसे अवसर पर आसानी से दिख जाता है।	
(i)	प्रस्तुत अवतरण में किस दिन की बात की जा रही है? उस दिन खाँ साहब क्या करते हैं? और क्यों?	
(ii)	इस विशेष दिन कोई राग क्यों नहीं बजाया जाता?	
(iii)	अवतरण के आधार पर खाँ साहब के चरित्र की दो विशेषताएँ बताइए।	
14.	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** (3+3+3)	9
(क)	स्त्रियों को पढ़ाना अनिवार्य हैं - इस कथन के पक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए। आप शिक्षा प्रणाली में क्या-क्या परिवर्तन करना चाहेंगे किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।	
(ख)	'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक यशपाल ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?	
(ग)	नेता जी की मूर्ति लगाने के कार्य को सफल और सराहनीय प्रयास क्यों कहा गया? दो कारण बताइए। मूर्ति में किस एक चीज की कमी थी?	
(घ)	मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है आप उसे उसकी संस्कृति कहेंगे या असंस्कृति? तर्क सहित उत्तर दीजिए।	
15.	**(क) लेखिका मन्नू भंडारी अपनी माँ को अपना आदर्श क्यों नहीं बना सकी? किन्हीं तीन कारणों का उल्लेख कीजिए।**	3
	(ख) 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर बताइए कि कैसे आदमियों पर ज्यादा नजर रखनी चाहिए और क्यों?	2
16.	**किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए -**	4
(क)	'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए कि जितेन नाग्रे ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जन-जीवन के बारे में क्या-क्या जानकारियाँ दी, उन्हें लिखिए।	
(ख)	दुलारी विशिष्ट कहे जाने वाले सामाजिक सांस्कृतिक दायरे है से बाहर है फिर भी अति विशिष्ट है - इस कथन को ध्यान में रखते हुए दुलारी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
17.	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** (2+2+2)	6
(क)	'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि भीतरी विवशता क्या होती है? लेखक ने इसे स्पष्ट करने के लिए किसकी चर्चा की?	
(ख)	फेंकू ने साड़ी न ला सकने की क्या मजबूरी बताई?	
(ग)	जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता यहाँ तक कि भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक किस ओर संकेत करना चाहता है।	
(घ)	'माता का अँचल' पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। आपकी समझ में इसकी क्या वजह हो सकती है?	

अंक योजना
प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2
कक्षा-दसवीं
हिंदी (पाठ्यक्रम-'अ')

समयः 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	अंक
	खण्ड 'क'	
1.	**अपठित गद्यांश -**	
(i)	स्वस्थ मन का निवास स्वस्थ शरीर में होता है कथन का अभिप्राय है कि यदि हमारा शरीर स्वस्थ है तभी मन में भी अच्छे और पवित्र भाव एवं विचार उत्पन्न होंगे।	1
(ii)	जीवन का आधार शारीरिक श्रम है क्योंकि श्रम ही जीवन की पहचान है और इसके बिना व्यक्ति का जीवन निष्क्रिय हो जाता है।	1
(iii)	गांधी जी की नीतियों की उपेक्षा का परिणाम हम इस रूप में भाग रहे हैं कि न गरीबी कम होने में आती है न ही बेरोज़गारी/अपराधों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है।	1
(iv)	श्रमशील समाज के व्यक्ति सदैव उन्नत एवं समृद्धिभरा जीवन जीते हैं।	1
(v)	श्रम का महत्व यह है कि इससे मन को संतुष्टि और शरीर को सुख की प्राप्ति होती है, इसका परिणाम सदैव सुखदायी होता है। इसके दो लाभ हैं कि इससे शरीर कभी रोगग्रस्त नहीं होता और सदैव व्यक्ति आत्मविश्वासी बना रहता है। 1+1	
(vi)	शिक्षित वर्ग की बेकारी का कारण यह है कि आज वह कठिन श्रम के कार्य करना उचित नहीं समझता उसे हेय दृष्टि से देखता है।	1
(vii)	'दिन अस्त और मज़दूर मस्त' से यह अभिप्राय है कि दिन भर कठोर परिश्रम करने वाले व्यक्ति को ही वास्तविक सुख एवं संतुष्टि का अनुभव होता है।	1
(viii)	(i) प्रत्यय-ता	½
	(ii) प्रत्यय-इत	½
(ix)	शारीरिक, सामाजिक (½ + ½)	1
(x)	श्रमशील व्यक्ति में स्वाभिमान, स्वावलंबन आत्मविश्वास आदि गुण आ जाते हैं।	1
(xi)	श्रमशीलता : सुदृढ़ जीवन का आधार।	1

प्र.सं.		संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
2.	(i)	इस कविता में लहरों को नृत्य करती बालाओं/जल कन्याओं / कुसुमावलि / तारावलि और एक युवती के रूप में चित्रित किया गया है। [किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित है।] (½ + ½)	1
	(ii)	सागर लहरों पर सूर्य किरणों की लालिमा पड़ने से सौ सौ इंद्रधनुषों की शोभा भी उसके सम्मुख फीकी पड़ जाती है।	1
	(iii)	सागर की लहरें अपनी मधुर ध्वनि, अपनी चंचलता एवं अनुपम सौन्दर्य के कारण सभी को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।	1
	(iv)	प्रातःकाल के समय लहरें, उल्लसित होकर किनारों का स्पर्श करती है, 'पुष्पों के समान खिल उठती हैं।'	1
	(v)	वे पंक्तियाँ हैं – तन पर शोभित नीला दुकूल हैं छिपे हृदय में भाव फूल	1
	(vi)	जल कन्याओं के समान/कुसुमावलि के समान/नव तरु दल के समान/तारावलि सी/युवती के समान किसी एक का भी वर्णन छात्र कर सकता है।	1
	(vii)	इस पंक्ति से कवि ने यह संदेश दिया है कि अनेक लहरें समुद्र से भिन्न होते हुए भी उनसे अभिन्न हैं इसी प्रकार इस सृष्टि के अनेक प्राणी भिन्न होते हुए भी उसी विराट का ही एक अंश हैं।	2
		अथवा	
	(i)	विश्वास और सत्य जैसे जीवन-मूल्यों की तुलना कवयित्री ने टूटे फूटे कनस्तर व डिब्बों तथा टूटे हुए बरतनों से की है।	1
	(ii)	उपलब्धियों के लिए कवयित्री ने रद्दी अखबारों की ढेरी और टूटे फूटे शीशे व टीन इन दो उपमानों का प्रयोग किया है।	1
	(iii)	युग की उपलब्धि अर्थात् जो कुछ प्राप्त करते हैं कारखाना अर्थात् संसार।	1
	(iv)	कविता का मूल भाव यह है कि पुराने जीवन मूल्य वर्तमान समय में अपनी सार्थकता खो बैठे हैं।	2
	(v)	प्रस्तुत पंक्तियों का मूल भाव यह है कि जो कुछ भी हम अपने समय अपने युग में प्राप्त करते हैं साहित्यकार और युग-निर्माता उसी को नए रूप में ढालते हैं और जनता को वही मान्य होता है।	2

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(vi) कविता का उचित शीर्षक है – युग की उपलब्धियाँ।	1
	खण्ड 'ख'	
3.	**निबंध-लेखन**	
(क)	(i) भूमिका	1
	(ii) विचार बिंदुओं का विषयानुरूप विवेचन	6
	• वनः प्रकृति द्वारा किया गया अनमोल उपहार	
	• मनुष्य अपनी समस्त आवश्यकताओं के लिए प्रकृति पर निर्भर	
	• प्रकृति व मनुष्य का अटूट संबंध	
	• अपने स्वार्थ के लिए वनों का अंधाधुंध दोहन	
	• पर्यावरण संबंधी प्रमुख समस्याएँ	
	• इन समस्याओं का प्रमुख कारण	
	• विद्यार्थी के परिवेश के सभी उदाहरण स्वीकार्य हों।	
	(छह बिन्दुओं पर पूरे छह अंक दिए जाएँगे तथा विद्यार्थी के अपने मौलिक विचार भी स्वीकार किए जाएँ।)	
	(iii) उपसंहार	1
	(iv) भाषा-शैली	2
(ख)	विचार-बिंदु	
	• कंप्यूटर की उत्पत्ति	
	• इसकी उत्पत्ति के कारण	
	• कंप्यूटर की संरचना	
	• कंप्यूटर के घटक	
	• इससे होने वाले लाभ – कई घंटों का काम मिनटों में	
	• इसके दुष्प्रभाव-नेत्रों पर दुष्प्रभाव, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ	
	• कंप्यूटर विश्व की तीसरी आँख	
	• उपसंहार	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(छह बिन्दुओं पर पूरे छह अंक दिए जाएँगे तथा विद्यार्थी के अपने मौलिक विचार भी स्वीकार किए जाएँ।)	
(ग)	खेलों का महत्व – तन्दुरूस्ती हज़ार नियामत स्वस्थशरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास जीवन के प्रतिस्पर्धा एवं प्रतियोगिता की भावना स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास	
	जीवन कौशलों की शिक्षा	
	विश्व स्तरीय खेलों का आयोजन	
4.	**पत्र-लेखन**	5
	(i) पत्र औपचारिकताओं के लिए	1½
	(ii) विषय में दी गई सूचनाओं का प्रयोग और विषयानुरूप विषय सामग्री	2½
	• दैनिक कार्यों में व्यवधान	
	• जीवन रूका सा प्रतीत होना	
	• आवश्यक संदेश समय पर उपलब्ध न हो पाना	
	(iii) शुद्ध भाषा और प्रस्तुति	1
	अथवा	
	(i) पत्र औपचारिकताओं के लिए	1½
	(ii) विषय में दी गई सूचनाओं का प्रयोग और विषयानुरूप विषय सामग्री	2½
	• वृक्षारोपण कार्यक्रम का संचालक बनाया जाना	
	• समय, तिथि निर्धारित करना	
	• मुख्य अतिथि का चुनाव	
	• आमंत्रित करना	
	• स्थान निश्चित करना	
	• पौधे मंगवाना	
	• विद्यार्थियों की टीम बनाना	
	(iii) शुद्ध भाषा और प्रस्तुति	1
उत्तर		
5.	(i) (क) पढ़ता है – सकर्मक क्रिया।	2

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(ख) गा रही है - अकर्मक क्रिया।	
	(ii) अव्यय	2
	(क) के सामने = बच्चे स्कूल के सामने खड़े हैं।	
	(ख) आप चाय लेंगे या ठंडा।	
	अथवा	
	(iii) बच्चो! पुस्तक निकालो और पढ़ना आरंभ करो।	
	पद-परिचय	
6.	(क) दिल्ली - व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग।	2
	(ख) वह - पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, एकवचन, कर्त्ताकारक, 'लिखता है' क्रिया का कर्त्ता।	
	अथवा	
	(ग) पढ़ेगा - सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भविष्यत्काल, कर्तृवाच्य,	
7.	(iv) वाक्य परिवर्तन	3
	(क) मिश्रवाक्य - तुम वहाँ चले जाओ, जहाँ बस रूकती है।	
	(ख) सरलवाक्य - बच्चा खाना खाकर सो गया।	
	(ग) सरल वाक्य।	
8.	(v) वाच्य परिवर्तन	3
	(क) भाववाच्य - बच्चे से पढ़ा नहीं जाता।	
	(ख) कर्मवाच्य - अमर द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया जाता है।	
	(ग) कर्तृवाच्य - छात्र कक्षा में पढ़ते हैं।	
9.	(vi) अलंकार	3
	(क) रूपक अलंकार।	
	(ख) अनुप्रास अलंकार।	
	(ग) उपमा अलंकार।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	खंड 'घ'	
10.	**किसी एक काव्यांश पर आधारित उत्तर अपेक्षित हैं:**	
(क)	(i) परशुराम अपने आपको बड़ा भारी योद्धा मानते हैं। बार-बार फरसा दिखाकर डराना चाहते हैं। फूँक मारकर पहाड़ उड़ाना चाहते हैं। (1+1)	2
	(ii) परशुराम भृगुकुल के वंशज हैं। उन्होंने यज्ञोपवीत जनेऊ धारण किया है। इस कारण से लक्ष्मण क्रोध को रोककर परशुराम के वचनों को सहन कर रहे हैं। (1+1)	2
	(iii) देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त और गाय – इन पर वीरता नहीं दिखाई जाती। (1+1)	2
	इन्हें मारने से पाप लगता है और इनसे हार जाने पर अपकीर्ति होती है।	
(ख)	(i) शिशु के नए-नए निकले दाँतों से झलकती मुसकान को दंतुरित मुसकान कहा है।	2
	(ii) कवि घर से बाहर दूसरे स्थान पर रहने के कारण प्रवासी, शिशु के लिए अनजान तथा शिशु ने पहली बार देखा इसलिए वह अतिथि है।	2
	(iii) जब बच्चा तिरछी निगाह से कवि की ओर देखता है उसकी निगाहें कवि की निगाहों से मिलती है तब उसकी दंतुरित मुसकान सबसे सुंदर लगती है।	
11.	**कोई तीन उत्तर अपेक्षित हैं :** (3+3+3)	9
(क)	मैं सूरदास के समान उद्धव को भाग्यशाली नहीं मानती। उद्धव कृष्ण के समीप रहकर भी उनके प्रेम से अनासक्त रहे। उद्धव ज्ञान और योग के समर्थक थे उनका मन स्थिर नहीं था। कृष्ण के प्रेम रस में डूबी गोपियों ने अपने जीवन को सार्थक बनाया।	3
	(अन्य तर्कों पर भी अंक दिए जाएं)	
(ख)	'अट नहीं रही है' कविता फागुन की मादकता को प्रकट करती है। सभी ऋतुओं का लोगों के मन तथा जीवन पर प्रभाव पड़ता है लेकिन फागुन का प्रभाव सबसे अधिक पड़ता है। इसकी शोभा सर्वव्यापक दिखाई पड़ती है। सारा वातावरण सुगंध से भर जाता है। यह वातावरण मन में कल्पना और उत्साह का संचार करता है। सृष्टि का कण-कण उत्साह व उमंग से भर जाता है। फागुन मौज-मस्ती तथा उमंग लेकर आता है। मुरझाए हुए मन तथा चेहरे खिल जाते हैं।	3
(ग)	मैं अपने जीवन में संगतकार की भूमिका निभाना चाहूँगी। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। कोई भी अकेला रहकर श्रेष्ठ स्थान पर नहीं पहुँच सकता। मानवता यही संदेश देती है कि सहयोग की भावना से ही कार्य में सफलता मिलती है।	3
	(अन्य तर्कों पर भी पूरे अंक दिए जाए)	
(घ)	जीवन में सुख और दुख दोनों की उपस्थिति है। सुख में आशा, आकांक्षा, चाँदनी और सुखद कल्पनाएँ हैं तथा दुख में निराशा, अंधकार और अप्रिय घटनाएँ हैं। सुख तथा दुख जीवन के दो पहलू हैं कभी	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	दुख तथा कभी सुख का सामना करना पड़ता है। विगत के सुख को यादकर वर्तमान के दुख को और गहरा करना उचित नही। विगत की सुखद काल्पनिकता से चिपके रहकर वर्तमान से पलायन की अपेक्षा कठिन यथार्थ को पूजना ज्यादा अच्छा है।	3
12.	**दो काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश के उत्तर अपेक्षित हैं -**	5
(क)	(i) देव, रीतिकाल	
	(ii) कृष्ण के राजसी रूप सौंदर्य का वर्णन है	1
	(iii) ब्रजभाषा	1
	(iv) सवैया छंद	1
	(v) 'कटि किंकिनि कै', 'पट-पीत', 'हिये हुलसै', 'जै जग' (इनमं से किसी एक उदाहरण पर अंक दिए जाए) जग-मंदिर-दीपक	½ ½
(ख)	(i) बादल	1
	(ii) आह्वान गीत	1
	(iii) नाद-सौंदर्य	1
	(iv) संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली	1
	(v) भाषा अलंकृत है, तत्सम शब्दावली का प्रयोग (½ + ½)	1
13.	**दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के उत्तर अपेक्षित हैं -**	
(i)	फ़ादर हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की तीव्र करते थे। हिंदी वाले जब हिंदी की उपेक्षा करते तो फ़ादर को सबसे अधिक दुख होता था।	2
(ii)	फ़ादर हिंदी-प्रेमी थे। (1+1) वे संवेदनशील थे। वे शांत स्वभाव के थे (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित है।)	2
(iii)	बड़े से बड़े दुख में भी फ़ादर के मुख से निकले सांत्वना भरे शब्द जादू का काम करते। जब लेखक की पत्नी और पुत्र की मृत्यु हुई तब फ़ादर द्वारा कहे गए शब्द - 'हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह' नई प्रेरणा देने वाले थे। फ़ादर के मुख से निकले शब्द मन को शांत करते।	2
(ख)	(i) मुहर्रम, उस दिन खाँ साहब आठ किलोमीटर तक पैदल रोते हुए, नौहा बजाते जाते। कोई राग नहीं बजता। मुहर्रम के महीने में शोक मनाते हैं। (1+1)	2

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(ii) मुहर्रम के दिनों में पूर्ण दस दिनों का शोक मनाया जाता है। खाँ साहब के परिवार का कोई व्यक्ति न शहनाई बजाता, न ही संगीत कार्यक्रम में हिस्सा लेता। इन दस दिनों में से आठवाँ दिन विशेष है। इस दिन राग-रागिनियों को बजाने की मनाही है।	2
	(iii) खाँ साहब श्रेष्ठ शहनाई वादक थे। वे बड़े कलाकार थे। वे संवेदनशील थे। वे धार्मिक थे। (किन्हीं दो विशेषताओं पर अंक दिए जाएं।)	
14.	**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं -** (3+3+3) **(प्रत्येक उत्तर में तीन बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित है)**	9
(क)	स्त्रियों को पढ़ाना अनिवार्य है एक स्त्री को पढ़ाना पूरे परिवार को शिक्षित करना है। परिवार शिक्षित होगा तो देश भी विकास करेगा। शिक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जो प्रत्येक नागरिक को सभ्य बनाए। व्यावहारिक शिक्षा पर अधिक बल देना चाहिए। नैतिक मूल्यों पर बल पाठ्यक्रम सही मात्रा में (1+2) (अन्य तर्कों पर भी अंक दिए जाएं)	3
(ख)	(i) लेखक को ज्यादा दूर नहीं जाना था। (ii) वे एकांत में नई कहानी के बारे में सोचना चाहते थे। (iii) वे खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देखना चाहते थे। (iv) गाड़ी चलने वाली थी।	
(ग)	(i) नेता जी की मूर्ति को देखकर लोगों में देश-प्रेम की भावना उत्पन्न होती। (ii) मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो...' नारे याद आने लगते। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। (iii) मानव की जो योग्यता उससे आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती है वह उसकी असंस्कृति है।	3

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	जो कार्य मानव कल्याण के लिए किया जाता है वही संस्कृति कहलाती है।	3
15.		
(क)	(i) माँ अनपढ़ थीं। (ii) वे पिताजी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य समझतीं। (iii) वे बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश को पूरा करतीं। (iv) बच्चों की ज़िद को अपना फ़र्ज समझकर सहज भाव से स्वीकार करतीं। (v) उन्होंने जिंदगी भर कुछ माँगा नहीं, केवल दिया ही दिया। (किन्हीं तीन कारणों का उल्लेख करने पर पूरे अंक दिए जाएं)	3
	(ख) जो सुस्त और बोदे-से होते हैं उन पर ज्यादा नजर रखनी चाहिए क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार हाते हैं। (1+1)	2
16.	**किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है -**	4
(क)	सिक्किम सुंदर प्रदेश है चारों तरफ घाटियाँ ही घाटियाँ हैं। सभी घाटियाँ फूलों से लदी हैं पाईन और धूपी के खूबसूरत नुकीले पेड़ हैं। वहाँ के लोग बौद्ध धर्म को मानते हैं। यहाँ के लोग परिश्रमी होते हैं। पहाड़ी औरते बहुत परिश्रम करती हैं। उन्हें पत्थर तोड़ने पड़ते हैं वे शरीर से कोमल पर हाथों में कुदाल और हथौड़े होते हैं। औरतों की पीठ पर बँधी टोकरी में उनके बच्चे बंधे होते हैं। पहाड़ी जीवन कठोर होता है। बच्चे स्कूल जाने के साथ-साथ शाम के समय मवेशी चराते हैं। जंगल से लकड़ियों के भारी-भारी गट्ठर ढोकर लाते हैं। (किन्हीं चार बिंदुओं के उल्लेख पर पूरे अंक दिए जाएं।)	
(ख)	दुलारी कहानी की मुख्य पात्रा - (i) मधुर गायिक - दुलारी का स्वर बहुत मधुर है। वह कजली गाने में निपुण। (ii) प्रतिभाशाली कवयित्री - मधुर आवाज़ के साथ-साथ तीव्र बुद्धि। स्थिति के अनुसार पद तैयार कर सबको आश्चर्यचकित कर देती। (iii) निडर एवं स्वाभिमानिनी - शारीरिक रूप से हृष्ट-पुष्ट, सुख-सुविधा देने वाले फेंकू सरदार की झाड़ू से खबर लेती है स्वाभिमान से जीवन व्यतीत करती। (iv) सच्ची प्रेमिका - टुन्नू की मृत्यु का शोक मनाती है उसके द्वारा दी गई खद्दर की साड़ी भी पहनती है। (1+1+1+1)	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
17.	**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं -** (2+2+2)	6
	(क) किसी भी दृश्य या घटना को देखकर या सुनकर मन के भीतर जो छटपटाहट होती है वही भीतरी विवशता है जब तक कवि या लेखक उसे शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त नहीं करता तब उसे शांति नहीं मिलती। लेखक ने इसे स्पष्ट करने के लिए हिरोशिमा पर लिखी कविता की चर्चा की।	
	(ख) रोजगार मंदा पड़ गया। वह तीज़ पर बनारसी साड़ी जरूर दिलाएगा।	
	(ग) सन् 1942 में जिन बच्चों ने अपना बलिदान दिया, उन बच्चों का मान-सम्मान जॉर्ज पंचम से भी अधिक था।	
	(घ) बच्चे की माँ की शरण में प्रेम और शांति मिलती है। माँ के आँचल में आकर उसे यही महसूस होता है कि उसे सब मुसीबतों से छुटकारा मिल जाएगा।	
	(अन्य तर्क पर भी अंक दिए जाएँ)	

You downloaded this paper from cbse.biz